सच्चाई के लिए जैसे मैंने सत्ता छोड़ी थी, गुढा ने भी इसी रास्ते को अपनाया : शिंदे

उदयपुरवाटी विधायक राजेंद्र गुढा शिवसेना में हुए शामिल, महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने दिलाई सदस्यता

महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे ने शनिवार को उदयपुर वाटी विधायक राजेन्द्र गुढा को शिवसेना में शामिल किया।

- बेटे के जन्मदिन पर गुढ़ा के फार्म हाउस पर हुई बड़ी जनसभा
- गुढा बोले, ''शिव सेना का राजस्थान में तीर चलेगा, परिवर्तन लाएंगे''

जयपुर/झुंझुनूं/उदयपुरवाटी। अशोक गहलोत सरकार से बगावत कर लाल डायरी से सियासत को गरमाने वाले उदयपुर वाटी विधायक राजेन्द्र गुढा ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र स्थित अपने फार्म पर बेटे शिवम के जन्मदिन पर शिवसेना का दामन थाम लिया है। उन्हें शिवसेना जॉइन कराने खुद महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे हेलीकॉप्टर से यहां पहुंचे। राजेंद्र गुढा ने इस मौके पर बड़ा कार्यक्रम आयोजित किया था जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचे। जन सभा का भी आयोजन किया गया जिसमें शिंदे ने अपनी बात रखी।

शिंदे ने मीडिया से बातचीत और जनसभा के संबोधन राजस्थानी में खमाधणी और राम-राम से शुरू किया। कहा कि गुढा शिवसेना के सदस्य बने हैं। महाराष्ट्र के उद्योग मंत्री उदय सावंत व राजस्थान की इकाई यहां मौजूद हैं। राजस्थान वीरो, संतों, देवो की भूमि हैं। मैं इसे नमन करता हूं। पूरे देश मे 25 राज्यो में शिवसेना काम कर रही है। इसका गर्व है अभिमान है। राजेंद्र कई सालों से मंत्री विधायक के रूप में काम कर रहे हैं। बेटे उज्वल राजनैतिक भविष्य के शुभकामनाएं देता हूं।

उन्होंने कहा कि राजस्थान के सीएम अशोक गहलोत पिछले साल गुढा के बेटे शिवम के जन्मदिन पर यहां आए थे। गुढा को कहा था की आपकी बदौलत ही मुख्यमंत्री हूँ। आपकी वजह से ही सरकार बची है। आप नही होते तो मेरी जगह कोई दूसरा ही होता। गुढा का सही कहना, क्या गलत है। जनता की आवाज उठाई। सच्चाई के लिए मंत्री पद छोड़ा। ऐसे जनप्रतिनिधियों की आवश्यकता इस देश के लोगो को है। मैने भी सच्चाई व बाला साहब के विचारों के लिए सत्ता को छोड़ दिया। जनता की आवाज को उठाया। गुढा ने भी सच्चाई सामने लाने का काम किया।

इस दौरान पूर्व मंत्री राजेंद्र गुढा ने शिवसेना में शामिल होने के बाद कहा कि शेखावाटी की धरती से देश में सबसे ज्यादा शहीद होते हैं। इस जमीन से 1962 व 1971 के युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की गांव गांव में शहीदों की प्रतिमाए लगी हैं। महाराष्ट्र में जिस तरीके से शिवसेना दिन रात तरक्की कर रही है। उसी तरह राजस्थान में कंधे से कंधा मिला कर शिवसेना की शुरुआत कर रहे हैं। राजस्थान की धरती से शिवसेना का तीर शानदार तरीके से चलेगा और राजस्थान में परिवर्तन लाएंगे। आम कार्यकर्ताओ की भावनाओं का सम्मान करते हुए पूरे हिंदुस्तान में परचम लहराया जाएगा।

इस मौके पर राजेंद्र गुढ़ा ने एकनाथ शिंदे को शिवसेना के चुनाव चिन्ह तीर कमान और तलवार भी भेंट की। एकनाथ शिंदे ने राजेंद्र गुढ़ा के बेटे शिवम गुढा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। महाराष्ट्र सीएम एकनाथ शिंदे ने राजेन्द्र सिंह गुढा के बेटे शिवम को केक कटवाकर हैप्पी बर्थडे बोलकर जनता को फिर आने की बात कहकर निकल गए। केक कटवाते समय लोगों के लिए लगाई गई कुर्सियां आगे के अलावा पीछे खाली ही पड़ी नजर आई।

प्रदेश कांग्रेस सरकार अब विधायक राजेन्द्र सिंह गुढ़ा पर कार्यवाही करते हुए विधायकी से भी बर्खास्त करने की कार्यवाही विधानसभा अध्यक्ष से करने की मांग कर सकती है। विधानसभा अध्यक्ष नियमानुसार कार्यवाही करते हुए गुढ़ा को विधायकी से बर्खास्त कर सकता है। किसान नेता धन्नाराम सैनी का कहना है कि राजेन्द्र सिंह गुढ़ा के कोई भी मोरल नहीं है। वो कभी झोपड़ी में जाते हैं, कभी बसपा में जाते, मंत्री बनने के लिए कांग्रेस में चले गए और आगे का राजनीतिक भविष्य संवारने के लिए शिवसेना में चले गए। मैं महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को बताना चाहता हूं कि आपकी पार्टी भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ने का काम करती आई। आपने अपनी पार्टी में सबसे बड़े भ्रष्टाचारी राजेन्द्र गुढ़ा को मिला लिया है।

परिवर्तन संकल्प यात्राओं में उमड़ रहे हजारों लोग : अरूण सिंह

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित किया। उनके साथ चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया भी मौजूद थे।

- 'राहुल गांधी, खड़गे और प्रियंका राजस्थान आए लेकिन दुष्कर्म पीड़ित परिवारों को सांत्वना तक देने नहीं गए'
- 'प्रदेश में कानून व्यवस्था बद से बदतर लेकिन मुख्यमंत्री सदन में एक शब्द नहीं बोलते'

जयपुर। भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने शनिवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय पर प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा की परिवर्तन संकल्प यात्रा से प्रदेश का जन-जन जुड़ रहा है। यात्रा के दौरान दुष्कर्म पीड़ित परिवार, कर्ज से तंग किसानों सहित ऐसे लोग भी फरियाद और शिकायत लेकर आ रहे हैं जिनके परिवार के सदस्य की हत्या हो गई और उन्हे न्याय नहीं मिला। पूर्वी राजस्थान में जहां कांग्रेस के सात मंत्री सरकार में हैं, वहां भी परिवर्तन संकल्प यात्रा को जनता का अपार सहयोग एंव जनसमर्थन मिल रहा है। बाड़ी और नदबई में छोटी-छोटी स्वागत सभाओं में पांच-पांच हजार लोग एकत्रित होकर परिवर्तन के नारे लगा रहे हैं। अभी तक चारों यात्राओं में करीब 500 स्थानों पर स्वागत अभिनंदन के साथ ही 226 के करीब स्वागत सभाएं आयोजित हुई हैं। इसके अलावा 50 बडी जनसभाएं आयोजित की गई हैं जिनमें 9 केंद्रीय मंत्री, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, राष्ट्रीय सचिव अल्का गुर्जर और कौर कमेटी के सदस्य शामिल हो रहे हैं। इसके अलावा स्थानीय विधायक एवं सासंद यात्रा के साथ चल रहे हैं।

राष्ट्रीय महामंत्री एवं प्रदेश प्रभारी अरूण सिंह ने कहा कि परिवर्तन संकल्प यात्रा में दलित वर्गों से लोगों का अपार समर्थन मिल रहा है। बाडी, नदबई, धौलपुर, डूंगरपुर, उदयपुर, डबोक, जैसलमेर और करणपुर सहित ऐसे काफी स्थान हैं जहां लोग महज स्वागत के लिए हजारों की संख्या में पहुंच रहे हैं। प्रदेश की जनता मौजूदा अशोक गहलोत सरकार से पूरी तरह त्रस्त हैं। प्रदेश में बीते दिनों में 14 संतों की हत्या हो गई। वहीं कई संतों ने प्रशासन से तंग आकर आत्महत्या कर ली।

उन्होने कहा कि कांग्रेस की नेता प्रियंका गांधी राजस्थान आ रही हैं, और वे वहीं जाती हैं जहां भाजपा सरकार नहीं होती। मैं उनसे आग्रह करना चाहता हूं कि बीते कुछ दिनों में प्रदेश में 31 मासूमों के साथ दुष्कर्म और हत्या के वीभत्स अपराध हुए हैं। प्रियंका गांधी को उनके घर जाकर उन परिवारों को सांत्वना देनी चाहिए उनका हाल जानना चाहिए। प्रदेश के मुख्यमंत्री गहलोत जो कि खुद गृहमंत्री हैं, उन्होने कभी भी विधानसभा में कानून व्यवस्था को लेकर एक शब्द तक नहीं बोला। जब उनसे प्रदेश की कानून व्यवस्था संभल नहीं रही तो उन्हे गृहमंत्री पद को तो मुक्त करना चाहिए।

सिंह ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष खड़गे राजस्थान आते हैं, लेकिन डीडवाना के उस दलित परिवार की पीड़ा में शामिल नहीं हुए जिनकी कुचल-कुचल कर हत्या कर दी गई। भीलवाडा भी नहीं गए जहां एक नाबालिग को दुष्कर्म के बाद भट्टी में डाल दिया। राहुल गांधी भी बांसवाड़ा आए लेकिन किसी दुष्कर्म पीड़ित परिवार से मिलने नहीं गए। खुद सरकार के मंत्री सरकार के खिलाफ बिजली की मांग को लेकर धरने पर बैठे हैं। मुख्यमंत्री खुद टॉर्च की रोशनी में दस्तावेज पढ़ रहे हैं। वहीं एक मंत्री कहता है कि सीएम को काले झंडे दिखाओ तो मेवाराम जैन खुद की सरकार के विरोध में उतर आए हैं। प्रेसवार्ता के दौरान चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ और प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज मौजूद रहे।

लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मी को नियमित नहीं करने पर मांगा जवाब

जयपुर, (का.सं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग में लंबे समय से कार्यरत संविदा कर्मी को नियमित नहीं करने पर कार्मिक सचिव, प्रमुख सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता सचिव और निदेशक के साथ ही आयोग के सदस्य सचिव को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। इसके साथ ही अदालत ने कहा है कि यदि संविदा कर्मी का काम संतुष्टिजनक है तो उसे सेवा से नहीं हटाया जाए। जस्टिस सुदेश बंसल की एकलपीठ ने यह अंतरिम आदेश मुरारी लाल बैरवा की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ओबीसी आयोग में वर्ष 2011 से संविदा पर काम कर रहा है। वर्ष 2015 में उसे प्लेसमेंट एजेंसी के जरिए संविदाकर्मी बनाया गया और फिर वर्ष 2018 में फिर से सीधे संविदा पर रखा गया। ऐसे में वह विगत 12 साल से आयोग में संविदा कर्मी के तौर पर काम रहा है। याचिका में कहा गया कि राज्य सरकार की ओर से संविदा कर्मियों को नियमित करने के लिए राजस्थान कॉन्ट्रैक्चुअल हायरिंग सिविल पोस्ट नियम, 2022 बनाए हैं। जिसके तहत संविदा कर्मियों को स्थाई किया जा रहा है। इसके बावजूद भी याचिकाकर्ता को इन नियमों के तहत नियमित करने की प्रक्रिया में शामिल नहीं किया जा रहा है।

आज लगेंगे सवा सौ फिजियोथेरेपी कैंप

जयपुर, (का.सं.)। विश्व फिजियोथेरेपी सप्ताह के मौके पर जयपुर फिजिओथेरेपी नेटवर्क ने रक्तदान शिविर का आयोजन अमर अस्पताल, वृंदा गार्डन के पास, खोनगोरिया जगतपुरा में किया गया। रक्तदान शिविर में 256 से अधिक रक्त दाताओं ने रक्तदान किया, 315 लोगों के रक्त एवं हीमोग्लोबिन की जांच की गई। 10 सितंबर को सवा सौ निःशुल्क फिजियोथेरेपी कैम्प लगाये जाएंगे।

सूर्य को सफल होने के लिए बदलना होगा माइंडसेट : डीविलियर्स

कोलंबो, 9 सितंबर। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व बल्लेबाज़ एबी डीविलियर्स का मानना है कि एक दिवसीय क्रिकेट में सफलता के लिये विश्व के नंबर एक टी20आई बल्लेबाज़ सूर्यकुमार यादव को अपने माइंडसेट में थोड़ा सा परिवर्तन करना होगा। विश्वकप के लिये चुनी गयी 15 सदस्यीय भारतीय टीम में जगह बनाने में सफल सूर्यकुमार का वनडे फ़ॉर्म कुछ ख़ास नहीं रहा है। 24 पारियों में उनका औसत सिर्फ़ 24.33 का है और वह इस दौरान सिर्फ़ दो अर्धशतक ही बना पाए हैं। सूर्यकुमार ने ख़ुद स्वीकार किया है कि उनका वनडे रिकॉर्ड बहुत ख़राब है। डीविलियर्स ने कहा, मैं सूर्या का बहुत बड़ा फ़ैन हूं। वह उसी तरह से खेलते हैं, जैसा मैं खेलता हूं लेकिन वनडे में उन्हें अब भी अपनी छाप छोड़नी है। अगर वह अपने माइंडसेट में छोटा सा भी परिवर्तन करते हैं तो वह वनडे में भी सफल हो सकते हैं क्योंकि उनके पास हर तरह की क़ाबिलियत है। उन्होंने कहा, यह राहत की बात है कि सूर्या को विश्व कप दल में जगह मिली है और मैं इसको लेकर बहुत ख़ुश हूं। मुझे उम्मीद है कि उन्हें विश्व कप में एकादश में भी खेलने का मौक़ा मिलेगा। भारतीय दल के संतुलन को देखते हुए यह तो निश्चित है कि वह शुरुआती एकादश में जगह नहीं बना पाएंगे, लेकिन विश्व कप एक लंबा टूर्नामेंट है और देखते हैं कि क्या होता है।

एस श्रीराम एलएसजी के सहायक कोच नियुक्त

लखनऊ, 9 सितम्बर,। ऑस्ट्रेलियाट के दिग्गज क्रिकेटर जस्टिन लैंगर के लखनऊ सुपर जायंट्स में मुख्य कोच के तौर पर शामिल होने के बाद श्रीधरन श्रीराम को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सीज़न के लिए सहायक कोच नियुक्त किया गया है। श्रीराम की नियुक्ति से मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और ग्लोबल मेंटर गौतम गंभीर के नेतृत्व वाले सुपर जायंट्स के शानदार बैकरूम स्टाफ के साथ-साथ विजय दहिया, प्रवीण तांबे और मोर्ने मोर्कल और जोंटी रोड्स की दक्षिण अफ्रीकी जोड़ी टीम के सहायक कोच के रूप में पूरी हो गई है। श्रीधरन श्रीराम बांग्लादेश की टी-20 टीम के तकनीकी सलाहकार रह चुके हैं। उनके नेतृत्व में टीम ने पिछले साल आस्ट्रेलिया में आईसीसी टी20 विश्व कप के सुपर 12 चरण में दो जीत हासिल की थी। वह 2016 तक छह साल के लिए आस्ट्रेलियाई टीम से भी जुड़े थे और टीम को टी20 विश्व कप और 2021-22 में एशेज जीत दर्ज करने में मदद की थी। वह आईपीएल से भी जुड़े रहे हैं और रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के लिए बल्लेबाजी और स्पिन गेंदबाजी में विशेषज्ञता वाले सहायक कोच के रूप में काम कर चुके हैं। श्रीराम ने 2008 में ईसीबी लेवल-3 'हेड कोच' का प्रतिष्ठित सम्मान भी अर्जित किया है।

पाकिस्तान के खिलाफ 'हाई वोल्टेज' मैच से पहले राहुल-किशन की गुत्थी सुलझाना चाहेगा भारत

कोलंबो, 9 सितंबर। भारतीय टीम प्रबंधन के लिए चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को यहां होने वाले एशिया कप 'सुपर फोर' मैच से पहले केएल राहुल और ईशान किशन में से किसी एक को चुनने की दुविधा का हल निकालना अहम होगा। रोहित शर्मा की अगुआई वाली भारतीय टीम रविवार को एशिया कप में दूसरी बार पाकिस्तान से भिड़ेगी। भारतीय टीम प्रबंधन का ध्यान टीम के लक्ष्यों पर तो लगा हुआ है लेकिन साथ ही वह पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर अपने सर्वश्रेष्ठ 11 खिलाड़ियों को उतारना चाहेगा।

लेकिन इसके लिए उन्हें राहुल-किशन के चयन की पहेली का जवाब ढूंढने की जरूरत होगी और साथ ही वे उम्मीद करेंगे कि मुकाबले में बारिश की बाधा नहीं पड़े जिसके लिए सोमवार को विवादास्पद 'रिजर्व' दिन रखा गया है। राहुल की टीम में वापसी से चयन के लिए खिलाड़ियों के 'पूल' में इजाफा हो गया है लेकिन यह भारत के लिए सुखद सरदर्द भी होगा। ऐसा इसलिये क्योंकि किशन ने पिछले लगभग एक महीने में सभी को अपने प्रदर्शन से प्रभावित किया है जिसमें उन्होंने चार मैचों में चार अर्धशतक जड़े हैं। तीन वेस्टइंडीज के खिलाफ और एक पिछले हफ्ते पालेकल में एशिया कप ग्रुप ए मैच में पाकिस्तान के खिलाफ।

इस दौरान किशन ने पारी का आगाज करने से लेकर पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करने में सहजता दिखायी है। झारखंड के इस 25 साल के खिलाड़ी ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पारी की शुरुआत की जबकि पाकिस्तान के खिलाफ वह मध्यक्रम में उतरे। किशन बायें हाथ के बल्लेबाज हैं तो इससे भारतीय बल्लेबाजी क्रम में थोड़ी विविधता भी आयी है। ऐसा लगता है कि किशन के लिए सब चीजें सही जा रही हैं। लेकिन बेंगलुरु के क्रिकेटर राहुल के पांचवें नंबर पर दावे को नजरअंदाज करना भी मुश्किल है जबकि वह जांघ की चोट और सर्जरी के बाद की 'रिहैबिलिटेशन' प्रक्रिया के कारण इस साल मार्च के बाद से कोई वनडे मुकाबला नहीं खेले हैं।

इसके पीछे यह कारण है कि राहुल (31 वर्ष) 2019 के बाद से भारत के सबसे मजबूत वनडे बल्लेबाजों में से एक हैं। उन्होंने 2019 में 13 मैचों में 47.67 के औसत से 572 रन बनाये। इसके बाद भी उनके अच्छे प्रदर्शन का सिलसिला जारी रहा। 2020 में उन्होंने नौ मैचों में 55.38 के औसत से 443 रन, 2021 में ती मैचों में 88.50 के औसत से 108 रन, 2022 में 10 मैचों में 27.89 के औसत से 251 रन और 2023 में छह मैचों में 56.50 के औसत से 226 रन बनाये हैं।

अगर इन आंकड़ों को और बारीकी से देखा जाये तो पांचवें नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए राहुल ने 18 मैचों में 53 के औसत से 742 रन जुटाये हैं जिसमें एक शतक और सात अर्धशतक भी शामिल हैं। ये आंकड़े काफी मजबूत दिखते हैं और उनकी विकेटकीपिंग भी तरकश में एक अतिरिक्त तीर शामिल करती है। शुक्रवार को वह विकेटकीपिंग का कड़ा अभ्यास करते दिखे जिससे उनकी वापसी की तैयारी का संकेत मिलता है।

टीम जैसा संतुलन चाहती है, उसके लिहाज से यह फैसला काफी महत्वपूर्ण है क्योंकि मैच के लिए मैदान पर वो जो भी संयोजन उतारें उनके लिए 'सुपर फोर' मैच में जीत दर्ज करना निहायती जरूरी होगा। पाकिस्तान ने लाहौर में बांग्लादेश को सात विकेट से हराकर दो अंक हासिल कर लिये हैं। इससे एक और जीत उन्हें आसानी से फाइनल में पहुंचा देगी।

भारत भी तालिका में शामिल होना चाहेगा लेकिन उन्हें पाकिस्तान के घातक गेंदबाजी आक्रमण से निपटना होगा क्योंकि वे पिच की प्रकृति के बावजूद प्रभावित गेंदबाजी करने में सक्षम हैं। निश्चित रूप से रोहित और अन्य भारतीय बल्लेबाज शाहीन शाह अफरीदी की तेज तर्रार गेंदों से सतर्क रहेंगे लेकिन पाकिस्तान की गेंदबाजी इकाई में अन्य गेंदबाज भी इतने ही घातक हैं।

हारिस रऊफ अपनी रफ्तार से एशिया कप गेंदबाजी सूची में नौ विकेट (तीन मैच में) से शीर्ष पर चल रहे हैं और ऐसा लगता है कि वह अफरीदी (सात विकेट) से आगे निकल जायेंगे। नसीम शाह के भी सात विकेट हैं और वह भी प्रतिद्वंद्वी बल्लेबाजों को राहत नहीं लेने देंगे। पाकिस्तान कागज पर गेंदबाजी विभाग में मजबूत दिखती है लेकिन भारत को भी भरोसा है कि उनके पास भी जवाबी हमले के लिए धारधार गेंदबाजी मौजूद है।

जसप्रीत बुमराह की वापसी से भारतीय गेंदबाजी मजबूत होगी, वह नेपाल के खिलाफ लीग मैच में नहीं खेल पाये थे। मोहम्मद सिराज और शार्दुल ठाकुर सहयोगी गेंदबाज की भूमिका कुशलता से निभा सकते हैं। लेकिन जब दोनों टीमें मैदान पर उतरती हैं तो अंतिम एकादश, फॉर्म, पिछले रिकॉर्ड ये सारे कारक अप्रासंगिक हो जाते हैं। मैदान पर दोनों टीम के बीच यह तूफानी टक्कर होगी।

भारत-पाक मैच में बारिश का हो सकता है 'खेला'

कोलंबो, 9 सितंबर। एशिया कप सुपर फोर चरण में रविवार को होने वाले भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबले में बारिश का खेल करोड़ों क्रिकेट प्रेमियों की उम्मीदों पर पानी फेर सकता है। मौसम विभाग ने कोलंबों में रविवार को भारी बारिश के आसार व्यक्त किये हैं। मौसम पूर्वानुमान के मद्देनजर आयोजकों ने पहली बार सुपर फोर चरण के इस मुकाबले के लिये रिजर्व डे का प्राविधान किया है मगर संडे में क्रिकेट का मजा लेने वालों के लिये यह सूचना मायूस कर देने वाली है।

सितंबर में कोलंबों में बहुत कम बारिश होती है और पिछले कुछ सालों में इसी मौसम में यहां पर वनडे मैचों का सफलतापूर्वक आयोजन हुआ है। लेकिन एक सच्चाई यह भी है कि कुछ मैचों को बारिश के कारण छोटा भी करना पड़ा है। श्रीलंका में पूर्वोत्तर मानसून की शुरुआत अक्तूबर के बीच से होती है और सितंबर में इतनी बारिश नहीं होती है। बारिश को देखते हुए इस मैच के लिए रिजर्व डे भी रखा गया है, लेकिन मैच अधिकारियों की कोशिश होगी कि मैच को उसी दिन समाप्त किया जाए। इसी कारण मैच को निर्धारित समय से 1.30 घंटे और लंबा किया जा सकता है। अगर रविवार को मैच समाप्त नहीं हुआ तो टीमें सोमवार को मैच जहां पर रूका था, वहां से खेलने उतरेंगी।

रोहना बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की जोड़ी अमेरिकी ओपन के फाइनल में हारी

न्यूयार्क, 9 सितंबर। भारत के टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना और उनके ऑस्ट्रेलियाई साथी मैथ्यू एब्डेन शुक्रवार को न्यूयॉर्क में अमेरिका के राजीव राम और ग्रेट ब्रिटेन के जो सैलिसबरी के ख़िलाफ़ फाइनल में हारकर अमेरिकी ओपन 2023 पुरुष युगल का ख़िताब जीतने से चूक गए।

आर्थर ऐश स्टेडियम के हार्ड कोर्ट पर प्रतिस्पर्धा करते हुए, रोहन बोपन्ना और मैथ्यू एब्डेन की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी राजीव राम और जो सैलिसबरी की तीसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी से दो घंटे तक चले मुक़ाबले में 6-2, 3-6, 4-6 से हार गई। इस जीत के साथ, राजीव राम और जो सैलिसबरी की जोड़ी 90 से अधिक वर्षों के बाद तीन बार यूएस ओपन पुरुष युगल का ख़िताब हासिल करने वाली पहली पुरुष युगल जोड़ी बन गई।

बोपन्ना और एब्डेन ने राजीव राम की सर्विस को ब्रेक करते हुए बेहतरीन शुरुआत की। एब्डेन की सटीक सर्विस और बोपन्ना के शक्तिशाली बैक हैंड ने इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी को पहले सेट में अपनी पकड़ बनाए रखने में मदद की। उन्होंने सातवें गेम में जो सैलिसबरी की सर्विस ब्रेक की और 1-0 की बढ़त हासिल की।

राम और सैलिसबरी ने दूसरे सेट में अच्छी वापसी की और बोपन्ना-एब्डेन की जोड़ी दबाव में आ गई। फोरहैंड से कुछ गलतियां करने के बाद छठे गेम में उनकी सर्विस ब्रेक हो गई। राजीव राम ने एक शानदार शॉट लगाकर सेट को अपने नाम कर लिया और मैच को निर्णायक मुकाबले में पहुंचा दिया। तीसरे सेट के पहले गेम में बोपन्ना और एब्डेन 0-40 से पिछड़ गए। हालांकि, बोपन्ना के एक बेहतरीन फोरहैंड शॉट की मदद से इंडो-ऑस्ट्रेलियाई जोड़ी मैच में अपना संघर्ष जारी रखने में कामयाब रही।

2-2 की बराबरी के बाद राम और सैलिसबरी को तीन ब्रेक प्वाइंट बचाने थे और अगले गेम में बोपन्ना की सर्विस को ब्रेक करते हुए उन्होंने 3-2 की बढ़त हासिल कर ली। बोपन्ना और एब्डेन ने सातवें गेम में भी शुरुआती अंक गंवा दिया। उन्होंने 15-15 से स्कोर को बराबर कर लिया। बोपन्ना ने चार नेट प्वाइंट हासिल करते हुए गेम जीत लिया और खिताब की दौड़ में बने रहे। हालांकि, राजीव राम और जो सैलिसबरी लगातार तीसरा यूएस ओपन खिताब जीतने के लिए मज़बूती के साथ आगे बढ़ते रहे।

यह रोहन बोपन्ना का दूसरा ग्रैंड स्लैम पुरुष युगल फाइनल था। भारतीय टेनिस खिलाड़ी 13 साल पहले पाकिस्तान के ऐसाम-उल-हक कुरेशी के साथ यूएस ओपन के पुरुष युगल फाइनल में पहुंचे थे, लेकिन यह जोड़ी अमेरिका के दिग्गज ब्रायन भाइयों से हार गई थी।

ग़ौरतलब है कि 2017 फ्रेंच ओपन मिश्रित युगल चैंपियन, बोपन्ना ने अभी तक पुरुष युगल ग्रैंड स्लैम नहीं जीता है। उन्होंने इस साल की शुरुआत में सानिया मिर्जा के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन के मिश्रित युगल फाइनल में जगह बनाई थी।

इससे पहले गुरुवार को 43 साल और छह महीने की उम्र में रोहन बोपन्ना, ओपन एरा में ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बने। उन्होंने कनाडा के डेनियल नेस्टर का पिछला रिकॉर्ड तोड़ा, जिनकी उम्र 2016 ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में खेलते समय 43 साल और 4 महीने थी।

मेरा कार्यभार अन्य लोगों की तुलना में दो या तीन गुना ज्यादा है : पंड्या

कोलंबो, 9 सितंबर। भारतीय क्रिकेट टीम के हरफनमौला खिलाड़ी हार्दिक पंड्या का मानना है कि टीम में उनका कार्यभार किसी विशेषज्ञ बल्लेबाज या गेंदबाज की तुलना में दो से तीन गुना ज्यादा होता है।

स्टार स्पोर्ट्स के कार्यक्रम 'फॉलो द ब्लूज़ लाइव' पर विशेष बातचीत में टीम इंडिया के उप-कप्तान हार्दिक पंड्या ने खेल में एक ऑलराउंडर की अनूठी चुनौतियों और मानसिकता पर प्रकाश डाला। उन्होने कहा एक ऑल-राउंडर के रूप में मेरा कार्यभार अन्य सभी की तुलना में दोगुना या तीन गुना है। जब टीम में कोई बल्लेबाज अपनी बल्लेबाजी खत्म कर पवेलियन लौट रहा होता है तो आलराउंडर के तौर पर मेरा काम उसके बाद भी गेंदबाजी करना है। अगर 10 ओवरों की जरूरत नहीं है, तो मेरे 10 ओवर फेंकने का कोई मतलब नहीं है, लेकिन अगर 10 ओवरों की जरूरत है, तो मैं गेंदबाजी करूंगा। उन्होने कहा मेरा हमेशा से मानना रहा है कि मैं खुद को सफल होने का मौका देता हूं। मैंने जो महसूस किया है वह यह है कि चाहे कुछ भी हो, आपको अपना समर्थन करना होगा, आपको विश्वास करना होगा कि आप दुनिया में सर्वश्रेष्ठ हैं। यह आपको सफलता की गारंटी नहीं देता है, लेकिन साथ ही, यह आपको सफलता की दिशा में काम करने के लिए मार्गदर्शन भी देता है, इसलिए व्यावहारिक रूप से खुद का समर्थन करें।

पूर्व भारतीय क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने हाल के खेल में हार्दिक पंड्या और इशान किशन के उल्लेखनीय प्रदर्शन की सराहना की और कहा भारत और पाकिस्तान के बीच पिछले मैच में हार्दिक पंड्या और इशान किशन की पारियां कितनी महत्वपूर्ण थीं। मैच का कोई परिणाम नहीं निकला, लेकिन यह भारत के लिए एक शानदार परिणाम था, और मुख्य परिणाम जो भारत चाहता था वह हार्दिक पंड्या, रनों का योगदान था, और इशान किशन ने भी अच्छा खेला। हार्दिक के बारे में बात यह है कि वह बहुत आक्रामक खिलाड़ी हैं, वह जब चाहें लंबे छक्के लगा सकते हैं, लेकिन लगभग 70 मिनट तक हार्दिक पंड्या केवल सिंगल ले रहे थे।

उन्होने कहा 50 ओवर का क्रिकेट एकल का खेल है, विशेष रूप से मध्य चरण में यह भीड़ और खिलाड़ियों दोनों के लिए बहुत उबाऊ चरण है, लेकिन हार्दिक पंड्या और इशान किशन दोनों ने उस उबाऊ चरण को खेला, अपनी पारी अच्छे से खेली और भारत को सम्मानजनक स्थिति में पहुंचाया. तो यह भारत के लिए बहुत अच्छा परिणाम था, वह साझेदारी और कैसे वे अपना स्वाभाविक खेल भूल गए और टीम की जरूरतों को उससे आगे रखा। मुझे लगता है कि यह उस मैच की सबसे अच्छी खोज थी। भारत ने एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ वर्षा प्रभावित मैच में 266 रन पर बनाये थे जिसमें पंड्या ने 87 रन का योगदान दिया था।